मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के हिंदी विभाग ने 'नागरी दिवस समारोह' किया आयोजित

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2025

हिंदी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और नागरी लिपि परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में नागरी लिपि परिषद् के सत्प्रेरक विनोबा भावे जी की जयंती के शुभ अवसर पर आज 'नागरी दिवस समारोह' का आयोजन किया गया| कार्यक्रम में, सर्वप्रथम हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि देवनागरी लिपि को बढ़ावा देने हेतु किया जा रहा यह आयोजन ऐतिहासिक कदम हैं| उन्होंने अपने वक्तव्य में जामिया द्वारा हिन्दी और देवनागरी के विकास में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया| तत्पश्चात, श्री बाबा कानपुरी की 'नागरी वंदना' के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा|

विषय प्रवर्तन में डॉ. हरि सिंह ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीयता को दर्शाने वाला विश्वविद्यालय है| अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि भाषा के नाम पर विवाद हो सकता है पर लिपि के नाम पर विवाद निरर्थक है| साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देवनागरी लिपि को स्वीकृत करने पर राष्ट्रीय एकता को बल मिलेगा और नागरी लिपि के माध्यम से हम दूसरी भाषाओं को भी सीख सकते हैं|

अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. भगवती प्रसाद निदारिया ने 'वैश्विक लिपि के रूप में नागरी लिपि का सामर्थ्य' विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी से हिंदी की प्रगति का रास्ता आसान हुआ है| अगले अतिथि वक्ता के रूप में श्री सनातन कुमार ने 'सूचना प्रौद्योगिकी और नागरी लिपि' विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण में हमें देवनागरी लिपि का प्रयोग करना चाहिए| अतिथि वक्ता डॉ. वेद प्रकाश गौड़ ने 'लिपि विहीन बोली-भाषाओं की लिपि नागरी लिपि' विषय पर बोलते हुए कहा कि भाषा और लिपि हमें सुसज्जित करती है| भाषा और लिपि ईश्वर का वरदान है|

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार जोशी ने गंभीर और देवनागरी लिपि के विकास पर वक्तव्य दिया | उन्होंने कहा कि राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को बढ़ाने का सबसे बड़ा श्रेय गाँधी जी को जाता है| नागरी लिपि परिषद् के अध्यक्ष एवं पूर्व-कुलपति डॉ. प्रेमचंद पातंजलि ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि देवनागरी लिपि के विकास में सबसे बड़ी रुकावट रोमन लिपि है| उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों में हमें केवल देवनागरी लिपि का ही प्रयोग करना चाहिए|

कार्यक्रम में 'नागरी संगम' पत्रिका के स्वर्ण जयंती अंक का विमोचन किया गया| धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. आसिफ़ उमर ने नागरी लिपि परिषद् का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने हिन्दी और नागरी के विकास में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ और कुलसचिव प्रो. महताब आलम रिज़वी के प्रयासों को रेखांकित किया और इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही, उन्होंने हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज कुमार, हिंदी अधिकारी राजेश कुमार मांझी,

हिंदी विभाग के सभी अध्यापकगण, विद्यार्थियों और शोधार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अरुण कुमार पासवान ने किया।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

नागरी लिपि परिषद
vivo X70 Pro | ZEISS
Sep 11, 2025, 12:16

नागरी लिपि परिषद
स्वर्णिम
(1975
25)
vivo X70 Pro | ZEISS
Sep 11, 2025, 12:16

vivo X70 Pro | ZEISS
Sep 11, 2025, 11:50

vivo X70 Pro | ZEISS
Sep 11, 2025, 12:19

DO NOT CARRY EATABLE ITEMS IN CLASS ROOM
नागरी लिपि परिषद
स्वर्णिम सफर
(1975 - 2025)
vivo X70 Pro | ZEISS
Sep 11, 2025, 11:51